मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य—1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) अवधू, भूले को घर लावै।

सो जन हमको भावै॥

घर में जोग भोग घर ही में, घर तज बन नहिं जावै।

घर में जुक्तु मुक्त घर ही में, जो गुरु अलख लखावै।

सहज सुन्न में रहै समाना, सहज समाधि लगावै।

उन्मुनि रहै ब्रह्म को चीन्है, परम तत्व को ध्याव।
सुरत-निरत सों मेला करके, अनहद नाद बजावै।
घर में बसत वस्तु भी घर है, घर ही वस्तु मिलावै।
कहैं कबीरा सुनो हो साधू, ज्यों का त्यों ठहरावै॥

(ख) कहौ। लिलार दुइज कै जोती। दुइजहि जोति कहाँ जग ओती॥
सहस किरिन जो सुरुज दिपाई। देखिं लिलार सोउ छपि जाई॥
का सरिवर तेहि देउ मयंकू। चाँद कलंकी, वह निकलंकू॥
औ चाँदहिं पुनि राहु गरासा। वह बिनु राहु सदा परगासा॥
तेहि लिलार पर तिलक बईठा। दुइज पाट जानहु ध्रुव दीठा॥
कनक पाट जनु बैठा राजा। सब सिंगार अत्र लेइ साजा॥
ओहि आगे थिर रहा न कोऊ। दहु का कहै अस जुरै संजोऊ॥
खरग, धनुक, चक बान दुइ, जग मारन तिन्ह नावँ।
सुनि कै परा मुरुछि कै (राजा) मोकहँ हए कुठाँव॥

(ग) बिलग जानि मानहु, ऊधो प्यारे।
वह मथुरा काजर की कोठरि जे आवहिं ते कारे॥
तुम कारे सुफलकसुत कारे, कारे मधुप भँवारे।
तिनके संग अधिक छबि उपजत कमलनैन मनिआरे॥
मानहु नील माट तें काढ़े लै जमुना ज्यों पखारे।
ता गुन स्याम भई कालिंदी सूर स्याम गुन न्यारे॥

(घ) कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,

क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।

कहै पद्माकर परागन में पौनहू में,

पातन में पिक में पलासन पगंत है।

द्वारे में दिसान में दुनी में देस देसन में,

देखौ दीपदी पन में दीपत दिगंत है।

बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,

बनन में बागन में बगर्‌यो बसंत है।

2. रासो काव्य के रूप में 'पृथ्वीराज रासो' की विशेषताएँ बताइए। 10

3. कबीर के दार्शनिक मतों पर विचार कीजिए। 10

4. कवि के रूप में तुलसीदास का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. 'सूरसागर' में सूरदास ने किन नवीन प्रसंगों की उद्‌भावना की है ? सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

6. घनानंद की कविता में वर्णित प्रेम की विशेषताएँ बताइए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) विद्यापति की भाषा

(ख) जायसी के पद्मावत में प्रेम

(ग) पद्माकर का शृंगार वर्णन

(घ) मीरा का सामंती रूढ़ियों के प्रति विद्रोह